मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 46 | अंक : 15 | गुरुवार 19 मार्च 2026 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ. 4 पर पढ़ें..

विवादित गाने पर नोरा फतेही की सफाई

मनपा खजाने की चाबी किसके पास?

सभापति पद के लिए भाजपा-शिवसेना में होगा टकराव!

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका में 16 सदस्यों के स्थायी समिति के सदस्यों का चयन किया गया। जिसमें भाजपा व शिवसेना के 8-8 सदस्यों के नामों की घोषणा की गई।

शिवसेना की ओर से वंचित आघाड़ी के एक सदस्य विकास खरात को स्थायी समिति सदस्य बनाया गया है। वहीं भाजपा व शिवसेना के दिग्गज नगरसेवकों को सदस्य बनाए जाने से अब इनमें से स्थायी समिति का सभापति कौन होगा इस पर प्रश्नचिन्ह लगा हुआ है क्योंकि अब उल्हासनगर मनपा के खजाने की चॉबी पाने के लिए दोनों ही पक्ष में जोरदार टकराव देखने को मिलेगा। क्योंकि महापौर व उपमहापौर पद के बाद यह तीसरा सबसे बड़ा पद माना जाता है और शहर विकास हेतु भी यह अहम है। ऐसे में यह पद कौनसी पार्टी हासिल करती है यह तो आगामी सभापति चुनाव के दौरान ही पता चलेगा।

शिवसेना की ओर से स्थायी समिति सभापति पद के लिए प्रबल दावेदारों में से राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज, जमनू पुरस्वानी व जया प्रकाश माखीजा के नाम की चर्चा है। क्योंकि कालानी गुट ने महापौर पद लिया है इसलिए यह पद शिवसैनिक को मिलने की संभावना है। वहीं भाजपा के दावेदारों में से राजेश वधरिया व टोनी सीरवानी के नामों की चर्चा है।

16 सदस्यों की स्थायी समिति में भाजपा-शिवसेना के 8-8 सदस्य

शिवसेना	भाजपा
दिलीप गायकवाड़	राजेश वधरिया
जमनू पुरस्वानी	अर्चना करनकाले
राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज	कविता लाल पंजाबी
जया प्रकाश माखीजा	रवि जग्यासी
कलवंत सिंह सहोता	टोनी सीरवानी
महेश सुखरामानी	राजेश वानखेडे
डिम्पल कुमारी ठाकुर	शेरी लुंड
विकास खरात (वंचित आघाडी)	संजय सिंह

महापौर निकम ने चेटीचंड पर स्कूलों में छुट्टी घोषित की

उल्हासनगर की महापौर अश्विनी कमलेश निकम ने पत्रकारों को बताया कि मनपा आम सभा में यह प्रस्ताव पारित किया कि सिंधी समाज के नववर्ष चेटीचंड के उपलक्ष्य में मनपा व सरकारी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व ऐसा कोई प्रस्ताव आम सभा में आया नहीं है लेकिन सिंधी समाज नववर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाता है ऐसे में हमने सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की है। सिंधी समाज ने महापौर निकम का आभार प्रकट किया है।

सिंधी समाज के नववर्ष चेटीचंड महायात्रा कल

उल्हासनगर. सिन्धी समुदाय के इष्टदेव झूलेलाल साईजी के चेटीचंड महापर्व के अवसर पर शुक्रवार 20 मार्च को लगातार 19वें वर्ष चेटीचंड महायात्रा की शहर में धूम होगी व झूलेलाल साईजी के श्रद्धालूओं द्वारा आयोलाल-झूलेलाल की गगनचुंबी जयघोष के साथ हर्षोल्लास से महायात्रा में हिस्सा लिया जाएगा।

बता दें कि महायात्रा की शुरूआत सुबह ११ बजे कैंप-२ स्थित भाऊ परसराम झूलेलाल मंदिर में भाऊ लीलारामजी द्वारा झूलेलाल साईजी की ज्योत प्रज्जवलित करते हुए की जाएगी। जिसके बाद उक्त महायात्रा शहर के विभिन्न रास्तों और बाजारों से गुजरते हुए कैंप-५ स्थित पूज्य चालिया साहिब मंदिर पर महायात्रा का समापन होगा। जिस महायात्रा के दरम्यान पूरे रास्ते में बैंड-बाजे और गीत-संगीत पर श्रद्धालूओं द्वारा नाच गाकर अपने इष्टदेव के प्रति अपनी आस्था प्रकट की जाएगी और साथ ही झूलेलाल साईजी पर फूलों की वर्षा करने के साथ-साथ झूलेलाल साईजी की प्रतिमा सहित संतों, महापुरूषों को भी शॉल पहनाकर सभी का सत्कार किया जाएगा। उसके अलावा कई श्रद्धालूओं द्वारा प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था करके अपने आस्था के भाव को प्रकट किया जाएगा। बहरहाल चेटीचंड महायात्रा समिति द्वारा सभी झूलेलाल साईजी के श्रद्धालूओं से बढ़-चढ़ कर उक्त महायात्रा में हिस्सा लेने की अपील की गई है।

दूषित पानी और डंपिंग का मुद्दा गरमाया

उल्हासनगर शहर में पानी की समस्या को लेकर आम सभा में शिवसेना के कुछ नगरसेवकों ने मनपा पानी पुरवठा विभाग को घेरा और कहा कि शहर के कई हिस्सों में दूषित व काला पानी आ रहा है। जिससे लोग बीमार हो रहे हैं और कई इलाकों में केवल 10 से 15 मिनट पानी आ रहा है उसका जल्द से जल्द हल निकाला जाएं। वहीं उल्हासनगर-5 स्थित अवैध डंपिंग ग्राऊंड को हटाए जाने का मामला भाजपा नगरसेवक टोनी सीरवानी ने उठाया और कहा कि यहां की जनता डंपिंग ग्राऊंड से त्रस्त है और पलायन कर रही है इसे जल्द से जल्द हटाने की मांग स्थानीय नगरसेवकों ने भी की। कई अन्य मुद्दों को लेकर भी भाजपा व शिवसेना के नगरसेवकों में बहस हुई।

उल्हासनगर मनपा का टैक्स कलेक्शन कैंपेन ज़ोरों पर

उल्हासनगर. मनपा प्रशासन ने सोमवार सुबह से शहर में प्रॉपर्टी टैक्स डिफॉल्टर्स के खिलाफ सख्त एक्शन लेने और ईमानदार टैक्सपेयर्स को रियायत देने की दोहरी भूमिका में बड़े पैमाने पर टैक्स कलेक्शन कैंपेन शुरू किया।

मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले खुद कलेक्शन कैंपेन को लीड करती दिखीं ताकि लोग अभय स्कीम का फायदा उठा सकें। इस समय, टैक्स न देने वालों के खिलाफ ज़ब्ती जैसी सख्त कार्रवाई शुरू की गई, जिससे कई डिफॉल्टर्स में भगदड़ मच गई।

राष्ट्रीय लोक अदालत के बैकग्राउंड में, वाटर सप्लाई डिपार्टमेंट ने लोगों को राहत देने के लिए एक खास अभय स्कीम का ऐलान किया था। इस स्कीम के मुताबिक, यह ऐलान किया गया था कि अगर मौजूदा डिमांड के साथ बकाया रकम एक साथ चुकाई जाती है, तो पानी के बिल पर लगने वाली देरी की पेनल्टी में 100 परसेंट की छूट दी जाएगी।

यह स्कीम घरेलू और गैर-घरेलू दोनों तरह के नल कनेक्शन होल्डर्स के लिए लागू की गई थी। इस कैंपेन में डिप्टी कमिश्नर विशाखा मोटघरे, टैक्स असेसर और कलेक्टर नीलम कदम, असिस्टेंट कमिश्नर गणेश शिम्पी, विनोद केने के साथ-साथ टैक्स इंस्पेक्टर और रिकवरी क्लर्क ने हिस्सा लिया।

कुख्यात गैंगस्टर रवि पुजारी ठाणे पुलिस की कस्टडी में

■ एक्सटॉर्शन केस में कोर्ट में पेश किया गया

ठाणे. कुख्यात गैंगस्टर रवि पुजारी, जिसका एक्सटॉर्शन और कई दूसरे गंभीर क्राइम का रिकॉर्ड है, उसे ठाणे पुलिस ने कस्टडी में ले लिया है। पुलिस की एक टीम पुजारी को अरेस्ट करने के लिए बेंगलुरु गई थी। एक सीनियर पुलिस ऑफिसर ने बताया कि टीम ठाणे पहुंच गई है. ऑफिसर ने यह भी बताया कि पुजारी बेंगलुरु की एक जेल में था।

बताया गया है कि पुजारी को ठाणे के कासारवडावली पुलिस स्टेशन में रजिस्टर्ड एक पुराने एक्सटॉर्शन केस में पूछताछ के लिए कस्टडी में लिया गया है। असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस रैंक का एक ऑफिसर केस की जांच कर रहा है। पुजारी को बुधवार दोपहर 2 बजे के बाद कोर्ट में पेश किया गया. ठाणे पुलिस कमिश्नरेट में रवि पुजारी के खिलाफ 20 से ज़्यादा केस रजिस्टर्ड हैं।

गैंगस्टर रवि पुजारी, जिसने 1989 में क्राइम की दुनिया में कदम रखा था, 1995 में भारत से भाग गया था। वह विदेश से अपने गुर्गों के ज़रिए क्रिमिनल एक्टिविटीज़ को अंजाम दे रहा था। साथ ही, गुर्गे पुजारी को जानकारी भी देते थे। इसी जानकारी के आधार पर पुजारी कंस्ट्रक्शन वर्कर्स को एक्सटॉर्शन के लिए धमका रहा था। कभी-कभी नेताओं को टारगेट करने वाले पुजारी ने कुछ साल पहले ठाणे में एक कॉर्पोरेटर को एक्सटॉर्शन के लिए धमकाया था। ठाणे पुलिस ने पुजारी के कई गुर्गों को अरेस्ट किया है। कुछ साल पहले, ठाणे एंटी-एक्सटॉर्शन स्क्वॉड ने दिल्ली में पुजारी की दो बहनों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। उसके बाद, एक्सटॉर्शन का कैंपेन कुछ दिनों के लिए रुका हुआ सा लगा। 2016 में रवि पुजारी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था।

डीएमसी रोड पर 2 सड़क दुर्घटनाओं में वृद्ध और 3 वर्षीय बच्चा घायल

अंबरनाथ. अंबरनाथ में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक तीन वर्षीय लड़का और एक 77 वर्षीय वृद्ध घायल हो गए हैं. ये दोनों घटनाएं शहर पश्चिम के डीएमसी सिगनल एवं डीएमसी रोड पर हुई है. पहली घटना में एक रिक्शा चालक अनिल कुंडलिक जाधव (39) ने 77 वर्षीय वृद्ध जावसाई गांव निवासी रविंद्र रामचंद्र मिटकरी सोमवार को 9.30 बजे डीएमसी से स्टेशन की तरफ जाने वाले रास्ते पर मार्केट से भाजीपाला और अंडे लेकर पैदल जा रहे थे कि आरोपी रिक्शा चालक ने तेज गति से रिक्शा चलाते हुए वृद्ध को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. रिक्शा चालक ने उन्हें उठाया और घर तक उसकी रिक्शा में छोड़ आया. बाद में घायल वृद्ध को पैर में ज्यादा दर्द होने से उनका भगवती अस्पताल में एक्स रे कराने पर पता चला कि उनके दोनों पैर में फ्रैक्चर हो गया है. पुलिस ने रिक्शा चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है.

दूसरी घटना भी डीएमसी सिगनल के पास सोमवार शाम 7.30 बजे हुई है. फातिमा स्कूल के पास की निवासी प्रियंका झांबरे (27) ने पुलिस में शिकायत की है कि वह अपने 3 वर्षीय बेटे तन्मय के साथ डीएमसी सिगनल क्रास कर रही थी. उसी समय उल्हासनगर से बदलापुर की ओर तेज रफ्तार से जा रहे एक बुलेट सवार चालक ने तन्मय को ठोकर मार दी. जिसके कारण उसके एक पैर का अंगूठा, दूसरे पैर का पंजा और हाथ पर चोटें आई हैं. छाया अस्पताल में बच्चे का उपचार चल रहा है. दोनों मामले की जांच अंबरनाथ पुलिस कर रही है.

उल्हासनगर में युवक को किडनैप कर मांगी फिरौती

उल्हासनगर. तेजुमल चक्की इलाके के साधुबेला स्कूल के पास कैंप नंबर 1 में रहने वाले नंदलाल लालचंद सुथार के 22 साल के भतीजे नंदलाल लालचंद सुथार को किडनैप करने की खबर 15 मार्च को सुबह 8:30 बजे WhatsApp कॉल आई। किडनैपर्स ने सुथार से फिरौती मांगी है और इस बारे में उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

उल्हासनगर के कैंप नंबर 1 इलाके में रहने वाले नंदलाल लालचंद सुथार बढ़ई का काम करते हैं। 15 मार्च को सुबह 8:30 बजे उनके मोबाइल फोन पर WhatsApp कॉल आई। कॉल करने वालों ने सुथार को धमकाते हुए कहा कि उनके 22 साल के भतीजे भगवती प्रसाद मनफूल सुथार को किडनैप कर लिया गया है। उन्होंने भतीजे को जिंदा बचाने के लिए 5,000 रुपये की फिरौती मांगी। सुथार का भतीजा नवी मुंबई इलाके के दीघा में काम करता है। डरे हुए नंदलाल उल्हासनगर पुलिस स्टेशन पहुंचे और पुलिस को पूरी घटना बताई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए उल्हासनगर पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर संतोष आव्हाड ने दो पुलिस टीमें बनाकर जांच के लिए भेज दीं। लेकिन, दो दिन बाद भी किडनैप हुए युवक का कोई पता नहीं चला। किडनैप हुए युवक भगवती प्रसाद सुधार की मोबाइल लोकेशन दो दिन पहले नवी मुंबई के कलवा और दीघा में दिखी थी। यह जानकारी पुलिस ऑफिसर संतोष आव्हाड ने दी। इस समय उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों पुलिस टीमें किडनैपिंग का मामला सुलझा लेंगी।

जेल के बाहर पटाखे फोड़ने का मामला पुलिस ने आरोपियों का निकाला जुलूस

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कुख्यात गैंगस्टर सतीश कांबले उर्फ 'सत्या भाई' का रविवार को जन्मदिन था। सत्या पिछले छह साल से कल्याण की आधारवाड़ी जेल में सजा काट रहा है। उल्हासनगर के उसके चार समर्थकों ने महंगे पटाखे खरीदे और उन्होंने सत्या का जन्मदिन मनाने के लिए आधारवाड़ी जेल के बाहर पटाखे फोड़े। जेल पुलिस के विरोध के बावजूद इन समर्थकों ने पटाखे फोड़े और जेल की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया।

उन्होंने जेल के बाहर पटाखे फोड़े जाने की खुशी को अपने मोबाइल कैमरे में कैद कर लिया था और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया था। इस घटना ने जेल प्रशासन और पुलिस पर सवाल खड़े कर दिए थे। आधारवाड़ी जेल के सीनियर जेल अधिकारी अभिजीत कोली ने इस घटना के बारे में खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस अतुल झेंडे के आदेश पर खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर डॉ. अमरनाथ वाघमोड़े, असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर विजय गायकवाड़, पुलिस इंस्पेक्टर एम.एस. अंधले, महिला असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर आर.आर. दांगट ने मामले की जांच शुरू की।

सोशल मीडिया में फुटेज के आधार पर पुलिस टीम ने उल्हासनगर के रोहित गणेश जगदाले, क्षितिज भगत, आकाश खडसे को गिरफ्तार किया। रोहित जगदाले एक मर्डर केस में जेल में था। कुछ दिन पहले ही वह बेल पर जेल से रिहा हुआ था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को कल्याण डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। इस मामले में एक और आरोपी है। वह फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने जेल के बाहर सड़कों और रिहायशी इलाके में आरोपियों का जुलूस निकाला.

सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणजी घेटे ने कहा कि इन तीनों लोगों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ़ कार्रवाई की गई है ताकि कोई दोबारा ऐसी हरकत करने की हिम्मत न करे और कानून का डर बना रहे।

कल्याण-CSMT की सभी लोकल ट्रेनें 15 कोच की हों

■ MP डॉ. श्रीकांत शिंदे का लोकसभा में निवेदन

■ हर स्टेशन पर मराठी साहित्य के स्टॉल ज़रूरी

■ बजट में रेलवे को 23 हज़ार करोड़ देने के लिए दिया धन्यवाद

कल्याण. सेंट्रल रेलवे पर कल्याण से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस तक चलने वाली सभी लोकल ट्रेनों को 15 कोच का करने के साथ-साथ हर स्टेशन पर मराठी साहित्य के स्टॉल शुरू किए जाने चाहिए। साथ ही प्लेटफॉर्म को चौड़ा करने, दिवा-CSMT फास्ट लोकल ट्रेनों, कोपर-वसई रेलवे की फ्रीक्वेंसी बढ़ाने, कलवा-ऐरोली एलिवेटेड प्रोजेक्ट को तेज़ करने आदि के बारे में शिवसेना के पार्लियामेंट्री पार्टी के नेता MP डॉ. श्रीकांत शिंदे ने रेलवे से जुड़ी कई मांगों के साथ लोकसभा के पटल पर रखा.

कल्याण यार्ड के लिए 800 करोड़ रुपये का प्रावधान

महाराष्ट्र में 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपये के रेलवे काम चल रहे हैं। 2026-27 के लिए महाराष्ट्र में रेलवे प्रोजेक्ट्स के लिए 23,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सांसद डॉ. शिंदे ने इसके लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया। कल्याण में यार्ड रीमॉडलिंग के लिए 800 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने मांग की कि बुलेट ट्रेन और दिल्ली-मुंबई रेलवे कॉरिडोर को जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। सांसद डॉ. शिंदे ने विश्वास जताया कि मुंबई-पुणे हाई स्पीड कॉरिडोर, पुणे-हैदराबाद हाई स्पीड कॉरिडोर से यात्रियों को फायदा होगा और समय की भी काफी बचत होगी।

इस बारे में MP डॉ. शिंदे ने लोकसभा में महाराष्ट्र में रेलवे को लेकर कई सवाल उठाए। कल्याण लोकसभा क्षेत्र में 80 प्रतिशत यात्री लोकल ट्रेनों का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए कल्याण-कसारा-कर्जत-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस रूट पर चलने वाली सभी लोकल ट्रेनों को 15 कोच का करना ज़रूरी है। कोंकण रूट पर मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ सीनियर सिटिज़न्स और पत्रकारों के लिए सुविधाएं फिर से शुरू की जानी चाहिए. इस पर भी MP डॉ. शिंदे ने सदन का ध्यान खींचा। कल्याण लोकसभा क्षेत्र में अभी 5 से 6 हज़ार करोड़ रुपये के रेलवे के काम चल रहे हैं। यहां के यात्री 15 से 20 साल से पांचवीं और छठी रेलवे लाइन का इंतज़ार कर रहे हैं। 2014 में केंद्र में BJP की अगुवाई वाली NDA सरकार सत्ता में आई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कल्याण लोकसभा क्षेत्र में रेलवे के कामों ने रफ़्तार पकड़ी। ठाणे से कल्याण तक पांचवीं और छठी लाइन का काम पूरा हो गया है। साथ ही कल्याण से अंबरनाथ तक तीसरी और चौथी लाइन का काम चल रहा है। उन्होंने मांग की कि पांचवीं और छठी लाइन का रुका हुआ काम तुरंत पूरा किया जाए।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता

भारत और अमेरिका के बीच पिछले महीने जिस अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति बनी थी, उसे लेकर कई तरह की दुविधाएं थीं और कुछ शर्तें पहले ही सवालों के घेरे में थीं। अमेरिका की ओर से जिस ढांचे में शुल्क दरें तय करने की बात कही गई थी, उसे भारत के लिहाज से घाटे का सौदा माना जा रहा था।

एक तरह से तभी इस बात की आशंका बन रही थी कि भारत इस मसले पर अमेरिका से पुनर्विचार करने को कह सकता है। मगर कई बार वैश्विक समीकरण इस तरह काम करते हैं कि दोनों पक्षों को मौजूदा तकाजों के मुताबिक फैसला लेना होता है। शायद यही वजह है कि उस समय अमेरिका की ओर से शुल्क दर घटा कर अठारह फीसद कर दिया गया था और भारत ने उस पर सहमति जताई थी।

मगर अब भारत सरकार की ओर से यह साफ कहा गया है कि अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौता तभी आगे बढ़ेगा या उस पर हस्ताक्षर होंगे, जब नया वैश्विक शुल्क ढांचा तैयार हो जाएगा। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका के बीच इस व्यापार समझौते पर इसी महीने हस्ताक्षर होने थे, लेकिन चूंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले में पुरानी शुल्क दरों को अमान्य करार दे दिया गया, इसलिए अब वहां के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को वैश्विक व्यापार के लिए नया ढांचा तैयार करने की जरूरत पड़ रही है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी व्यापार समझौते में शामिल देश तभी सहमत होते हैं, जब उन्हें विश्व बाजार में अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले ज्यादा सुविधाएं या लाभ मिलें। मगर पिछले महीने अमेरिका के साथ जिन परिस्थितियों में व्यापार समझौते पर बात आगे बढ़ी थी, उसे भारत के लिहाज से अनुकूल नहीं कहा जा सकता था। खासतौर पर शुल्क दरें तय किए जाने की कसौटी चूंकि समान नहीं थी, इसलिए आने वाले वक्त में इस मसले पर संतुलन बनाने की मांग उठने की पूरी संभावना थी। इसके अलावा, खुद अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन के शुल्क दरों के ढांचे को कठघरे में खड़ा कर दिया। हालांकि एक वस्तुस्थिति यह भी है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर भले ही वार्ता आगे बढ़ रही थी, लेकिन अब तक यह केवल समझौते के प्रारूप तक ही पहुंची थी और इसके लिए किसी कानूनी दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं हुए थे। यानी कहा जा सकता है कि भारत के पास फिलहाल नई परिस्थितियों में अपने हित के मद्देनजर समझौते के प्रारूप में बदलाव करने की गुंजाइश बाकी है।

विचार : राजनीति का दूसरा नाम अवसरवाद

राज्यसभा चुनावों में क्रास वोटिंग अब कोई नई-अनोखी बात नहीं। आम तौर पर हर बार राज्यसभा चुनावों में कहीं न कहीं क्रास वोटिंग देखने को मिलती है, अर्थात दल विशेष के विधायक किसी अन्य दल के प्रत्याशी को वोट देने का काम करते हैं। पहले क्रास वोटिंग के मामले यदा-कदा ही दिखते थे और वे प्रायः तब होते थे, जब विधायक अपने कार्यकाल के आखिरी चरण में होते थे, पर अब तो नए बने विधायक भी यह काम करने लगे हैं।

क्रॉस वोटिंग करने का एक तरीका अपने दल या गठबंधन प्रत्याशी के पक्ष में वोट ही न करना होता है। हाल में हुए राज्यसभा चुनावों में बिहार, ओडिशा और हरियाणा में क्रास वोटिंग देखने को मिली। बिहार में विधानसभा चुनाव हुए पांच महीने भी नहीं हुए हैं, लेकिन यहां राजद के एक विधायक और कांग्रेस के तीन विधायकों ने महागठबंधन के स्थान पर राजग प्रत्याशी की राह आसान करना आवश्यक समझा। विडंबना यह रही कि महागठबंधन के बाहर के दलों बसपा और एआइएमआइएम के विधायकों ने तो उसके प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया, पर उसके अपने ही लोग उसे गच्चा दे गए।

राजद इस पर कम दुखी हो सकता है कि उसके एक ही विधायक ने दगा किया, पर कांग्रेस क्या करे, जिसके छह में से तीन विधायकों ने वोटिंग करने की जरूरत नहीं समझी? मतलब आधी पार्टी परोक्ष रूप से दूसरे खेमे के साथ जाकर खड़ी हो गई। कांग्रेस इन विधायकों को निलंबित-निष्कासित कर सकती है, लेकिन उनकी विधायकी आसानी से नहीं जाने वाली। यदि वे विधायक बने रहते हैं तो उनकी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। राजद के जिस विधायक ने वोटिंग न करके राजग प्रत्याशी को लाभ पहुंचाया, वे पहले जदयू में थे और उनके चुनाव परिणाम को भी चुनौती दी गई है।

शायद उन्हें अदालती निर्णय के चलते अपनी विधायकी जाने का डर सता रहा हो, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के लिए यह समझना कठिन होगा कि उसके आधे विधायकों ने दगा क्यों किया? आम तौर पर इसके दो ही कारण होते हैं-या तो पैसे का लालच या फिर अपनी पार्टी में अपना भविष्य न दिखना। कई बार दोनों ही कारण काम करते हैं। कांग्रेस को बिहार से ज्यादा बड़ा झटका ओडिशा में लगा। यहां उसके तीन विधायकों ने कांग्रेस और बीजद के साझा प्रत्याशी के स्थान पर भाजपा समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में वोट दिया।

इन विधायकों में सबसे अधिक चर्चा में रहीं-सोफिया फिरदौस। वह करीब दो वर्ष पहले हुए चुनाव में ओडिशा की पहली महिला मुस्लिम विधायक चुनी गई थीं। कांग्रेस ने सोफिया के साथ क्रास वोटिंग करने वाले रमेश जेना और दशरथ गोमांगो को निलंबित करते हुए कहा कि उनका भविष्य उज्ज्वल था, पर वे शायद ऐसा नहीं मान रहे थे। ओडिशा में कांग्रेस के साथ बीजद के भी आठ विधायकों ने क्रास वोटिंग की। यह बताता है कि नवीन पटनायक के सत्ता से बाहर होने के बाद बीजद अशक्त होती जा रही है। क्रास वोटिंग हरियाणा में भी हुई, लेकिन यहां कांग्रेस झटका खाने के बाद भी लाज बचाने में सफल रही। यहां उसके पांच विधायकों ने क्रास वोटिंग की। उसके भाग्य से इसके बाद भी उसका प्रत्याशी जीत हासिल करने में सफल रहा। यहां कांग्रेस विधायकों के चार वोट अवैध भी पाए गए। यह जानना कठिन है कि इन चारों विधायकों को वोट देने का शऊर नहीं था या फिर वे अपने प्रत्याशी को वोट ही नहीं देना चाहते थे? जो भी हो, इस क्रास वोटिंग के बाद हरियाणा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे का कारण उनकी विधायक पत्नी पर भी क्रास वोटिंग का आरोप बताया जा है।

हरियाणा में पहले भी राज्यसभा चुनावों में क्रास वोटिंग हो चुकी है और सही तरीके से वोट न देने के कारण वोट अमान्य भी किए जा चुके हैं। हरियाणा में ऐसा होना हैरानी की बात नहीं। यह वही राज्य है, जहां दलबदल को आयाराम-गयाराम की संज्ञा मिली थी। राज्यसभा चुनावों में पर्याप्त संख्याबल के बाद भी विरोधी दल या उसके समर्थित अथवा निर्दलीय उम्मीदवार के चुनाव जीतने का कारण राजनीतिक निष्ठा को ताक पर रखकर क्रास वोटिंग करना ही होता है। कई बार ऐसे प्रत्याशियों की जीत का सीधा कारण धनबल होता है।

ईरान पर हमला अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन

कल्पना कीजिए कि ईरान अपने एजेंट मेक्सिको में उतार दे और वहां टेक्सास सीमा से वे अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर एक मिसाइल दाग दें। भले ही उनकी ऐसी कोई मंशा न हो, लेकिन इस दौरान लापरवाही के चलते ऐसे हमले में कोई अमेरिकी स्कूल ध्वस्त हो जाए, जिसमें 175 जान गंवानी पड़ें। इसके बाद वे तेल डिपो को जलाने लग जाएं और लोगों को रासायनिक वर्षा का शिकार बनाएं।

ऐसी स्थितियों में स्कूल, क्लिनिक और सामान्य जनजीवन ठप पड़ जाए और फिर भी ईरानी नेता धमकाएं कि अमेरिकी को इस हद तक तबाह कर देंगे कि वह कभी फिर से उठ खड़ा न हो पाए। निश्चित ही ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के साथ-साथ हम सभी लोग निर्दोष नागरिकों पर हुए इस घृणित हमले को लेकर अपना आक्रोश प्रकट करेंगे और ऐसा करना बिल्कुल सही भी होगा।

युद्ध का परिदृश्य हमेशा त्रासद होता है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इस त्रासदी ने और विकराल रूप ले लिया। तब अमेरिका ने अपनी मारक क्षमताएं दिखाईं कि महज कुछ ही घंटों के दौरान वह कैसे लाखों लोगों को काल के गाल में धकेल सकता है। युद्ध के बाद अपने दामन पर पड़े छींटों को साफ करने की मंशा से आत्ममंथन करते हुए अमेरिका

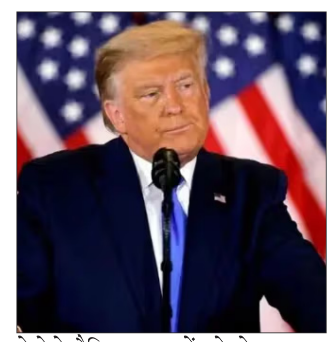

ने ऐसे वैश्विक प्रयासों को लेकर पहल की, जिसमें युद्ध की विकरालता न बढ़े और खासतौर से आम नागरिकों को नुकसान न पहुंचे।

तब जिनेवा कन्वेंशन जैसे प्रोटोकॉल के अतिरिक्त ऐसे अन्य अनेक उपाय किए गए कि युद्ध के दौरान पेयजल स्त्रोतों जैसे ढांचों को कतई निशाना न बनाया जाए, ताकि नागरिकों की परेशानी न बढ़े। हालांकि, सभ्यता-मानवता को पोषित करने वाली ऐसी परंपरा भी हाल के वर्षों में कई बार तार-तार हुई है। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस ने नागरिकों के लिए बिजली की आपूर्ति तक काट दी। इससे हाड़ कंपाने वाली सर्दियां यूक्रेन के लोगों के लिए और बेरहम साबित होने लगी।

संयुक्त राष्ट्र आयोग के अनुसार इजरायल ने गाजा में फलस्तीन के लोगों को दाने-दाने के लिए तरसा दिया। उसने स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर शैक्षणिक संस्थानों तक पर भीषण बमबारी की और बच्चों को भी निशाना बनाने से गुरेज नहीं किया। संयुक्त अरब अमीरात ने सूडान में ऐसी मिलीशिया को शह दी, जिसने सामूहिक दुष्कर्मों और नरसंहार को अंजाम दिया। वहां पहले से ही मुश्किलें झेल रहे लोगों पर आफत की एक नई बारिश हो गई।

जहां तक गाजा की बात है तो वहां अमेरिका द्वारा आपूर्ति किए जा रहे हथियारों से ही तबाही मचाई गई और वाशिंगटन ने अपने सहयोगी की निंदा करने से भी परहेज ही किया। इसके बावजूद उसने आधे-अधूरे मन से ही सही, लेकिन वहां युद्ध के दौरान भी सामान्य तौर-तरीकों को कायम रखने की वकालत जारी रखी। जबकि ईरान के मामले में मुझे इस बात का डर है कि वह अपने इस रुख से भी पलट जाए तो कोई हैरत की बात नहीं।

इस युद्ध में उन मूल्यों को ताक पर रखा जा सकता है, जिसके साथ सभी सभ्य देश खुद को बंधा हुआ देखते थे। वे मूल्य जो हमारी साझा मानवता को सहेजने के लिए बहुत जरूरी समझे गए हैं। ईरान पर हमला अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करता हुआ ही प्रतीत होता है, क्योंकि न तो संयुक्त राष्ट्र ने इसकी अनुमति दी है और न ही आत्मरक्षा के लिए इसकी कोई आवश्यकता थी।

364 साल पहले पेरिस में दौड़ी थी पहली सार्वजनिक बस

सार्वजनिक बस सेवा के सफर की ऐतिहासिक शुरुआत पेरिस की गलियों से 18 मार्च 1662 को शुरू हुई।

जरा हट के

इसकी शुरुआत मशहूर फ्रांसीसी गणितज्ञ ब्लेज पास्कल ने की थी। उस समय आज की तरह डीजल या इलेक्ट्रिक इंजन नहीं थे, बल्कि ये घोड़ों से खींची जाने वाली विशेष गाड़ियां थीं। इन गाड़ियों की खासियत यह थी कि इनमें एक साथ छह से आठ यात्री सफर कर सकते थे और ये शहर के भीतर पहले से निर्धारित यानी तय मार्गों पर चलती थीं।

ब्लेज पास्कल का मानना था कि अगर शहर के भीतर सामूहिक रूप से चलने वाली गाड़ियों का एक निश्चित रूट हो, तो लोगों का आवागमन न केवल आसान होगा बल्कि काफी सस्ता भी हो जाएगा। इसी विचार को हकीकत में बदलने के लिए पास्कल ने पेरिस के कुछ अमीर इंवेस्टर्स को तैयार किया। पास्कल के इस क्रांतिकारी विचार को जमीन पर

उतारने के लिए सरकारी समर्थन की जरूरत थी। उनकी पहल पर फ्रांस के तत्कालीन राजा लुईस XIV ने इस सेवा को चलाने की शाही अनुमति और संचालन के अधिकार दिए। इस बस सेवा को एक अनोखा नाम भी दिया गया 'कारोस आ सैंक सू'। इसका मतलब था पांच सिक्कों में चलने वाली गाड़ियां। तय किराए पर चलने वाली ये गाड़ियां उस दौर में सार्वजनिक परिवहन का एक बिल्कुल नया प्रयोग था, जिसने लोगों को निजी सवारी के बजाय सामूहिक यात्रा का विकल्प दिया। शुरुआत में यह सेवा पेरिस के नागरिकों के बीच काफी लोकप्रिय हुई, लेकिन उस समय की सख्त सामाजिक व्यवस्था इसके रास्ते में एक बड़ी बाधा बन गई। उस दौर के नियमों के कारण आम किसानों और सैनिकों को इन गाड़ियों में यात्रा करने की अनुमति नहीं थी। सीमित यात्री वर्ग और अपने समय से बहुत आगे के इस विचार के कारण, कुछ सालों के बाद यह सेवा बंद कर दी गई। हालांकि यह प्रयोग लंबे समय तक नहीं चल सका, लेकिन पेरिस की इन सड़कों पर दौड़ने वाली घोड़ा-गाड़ियों ने ही आधुनिक सार्वजनिक बस प्रणाली की नींव रखी।

साबूदाना फ्रूट कस्टर्ड

खाना-खजाना

सामग्री

- साबूदानाः 1/2 कप
- फुल क्रीम दूधः 1/2 लीटर
- चीनीः 4-5 बड़े चम्मच
- इलायची पाउडरः 1/2 छोटी चम्मच
- ताजे फलः 1 से 1.5 कप (सेब, केला, अनार के दाने और अंगूर - बारीक कटे हुए)
- मेवेः 2 बड़े चम्मच (काजू, बादाम और पिस्ता - बारीक कटे हुए)

बनाने की विधि

सबसे पहले साबूदाने को पानी से दो-तीन बार अच्छी तरह धो लें। इसके बाद इसे थोड़े से पानी में (जितने में साबूदाना डूब जाए) लगभग 2 से 3 घंटे के लिए भिगो कर रख दें।

अब एक भारी तले वाले बर्तन या पैन में फुल क्रीम दूध डालें और उसे मीडियम आंच पर उबलने के लिए रख दें। जब दूध में उबाल आ जाए, तो उसमें भीगा हुआ साबूदाना डाल दें। आंच को धीमा कर दें और इसे लगातार चलाते हुए 10 से 15 मिनट तक पकाएं।

आप देखेंगे कि थोड़ी देर में साबूदाना एकदम पारदर्शी हो जाएगा और दूध गाढ़ा होकर बिल्कुल कस्टर्ड जैसा क्रीमी दिखने लगेगा।

जब दूध अच्छे से गाढ़ा हो जाए, तब इसमें चीनी और इलायची पाउडर डाल दें। चीनी घुलने तक इसे 2 मिनट और पकाएं और फिर गैस बंद कर दें।

अब इस साबूदाने के मिश्रण को पूरी तरह से ठंडा होने दें। जब यह रूम टेम्परेचर पर आ जाए, तो इसे 1-2 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें ताकि यह और भी गाढ़ा और चिल्ड हो जाए। फ्रिज से निकालने के बाद इसमें अपने मनपसंद कटे हुए ताजे फल और ड्राई फ्रूट्स मिला दें। (ध्यान रहे कि खट्टे फल जैसे संतरा इसमें न डालें, नहीं तो दूध फट सकता है)। बस फिर, आपका स्वादिष्ट और फलाहारी साबूदाना फ्रूट कस्टर्ड बिल्कुल तैयार है। इसे ठंडी-ठंडी कटोरियों में परोसें और व्रत में भी एक शानदार डेजर्ट का आनंद लें।

क्या अलार्म लगाकर सोना सेहत के लिए खतरनाक?

- **अधिकतर लोग कर रहे यह गलती**
- **वक्त रहते संभल जाएं**

आजकल अधिकतर लोग सुबह जल्दी उठने के लिए अलार्म लगाते हैं. कुछ लोग घड़ी में अलार्म सेट करते हैं, तो कई लोग मोबाइल में अलार्म सेट करते हैं. सुबह सही टाइम पर उठने के लिए अलार्म लगाना हम सभी के रुटीन का हिस्सा बन चुका है. क्या आपने कभी सोचा है कि रोज अलार्म लगाने की आदत आपके दिल की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है? जी हां, कई रिसर्च में पता चला है कि अलार्म की अचानक आने वाली तेज आवाज हमारे शरीर और ब्लड प्रेशर पर नेगेटिव असर डालती है. यह आपके शरीर को उस समय डरा देता है, जब आप गहरी नींद में होते हैं. चलिए जानते हैं कि अलार्म लगाने की आदत सेहत के लिए क्यों हानिकारक है.

TOI की रिपोर्ट के मुताबिक हमारा शरीर सर्केडियन रिदम यानी नेचुरल बायोलॉजिकल क्लॉक के आधार पर चलता है. यह क्लॉक सूरज के उगने और डूबने के साथ तालमेल बिठाती है. जब एक अलार्म अचानक आपकी नींद को तोड़ता है, तो यह स्लीप इनरशिया नामक स्थिति पैदा करता है. यह तब होता है जब आप नींद के गहरे चरण से अचानक बाहर आते हैं. इससे आप दिन भर सुस्ती और भ्रम महसूस करते हैं. यह अचानक जागना आपके दिल पर दबाव डालता है, क्योंकि शरीर को गहरी नींद से पूर्ण जागृति की स्थिति में आने के लिए संघर्ष करना पड़ता है.

अलार्म की तेज आवाज शरीर में फाइट और फ्लाइट रिस्पॉन्स को एक्टिव कर देती है. इससे शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालिन जैसे तनाव हार्मोन का अचानक रिसाव होता है. हालांकि ये हार्मोन खतरों से निपटने के लिए जरूरी हैं, लेकिन शांत नींद से उठते समय इनका अचानक बढ़ना ठीक नहीं है. हार्मोन के इस उछाल से ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट अचानक बढ़ जाता है, जो लंबे समय में दिल की बीमारियों का जोखिम पैदा कर सकते हैं.

नींद हमारी भावनात्मक स्थिरता और मूड को कंट्रोल करने में बड़ी भूमिका निभाती है. अलार्म की वजह से बार-बार नींद का बीच में टूटना आपको चिड़चिड़ा, तनावग्रस्त और चिंतित बना सकता है. जब आपकी सुबह की शुरुआत ही घबराहट और हड़बड़ाहट के साथ होती है, तो इसका असर आपके पूरे दिन के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है, जो इनडायरेक्ट तरीके से आपके हार्ट हेल्थ को प्रभावित करता है.

बिना अलार्म के सही समय पर उठना मुमकिन

बिना अलार्म के सही समय पर उठना पूरी तरह मुमकिन है, बस इसके लिए कुछ जीवनशैली में बदलाव की जरूरत है. हर रात सोने और सुबह जागने का एक ही समय तय करें. इससे आपकी आंतरिक घड़ी सेट हो जाएगी. सोने से पहले किताबें पढ़ना, गुनगुने पानी से नहाना या योग करना शरीर को संकेत देता है कि अब आराम का समय है. रोज रात में 7 से 9 घंटे की नींद जरूर लें. सुबह की रोशनी सर्केडियन रिदम को रेगुलेट करने में मदद करती है. रात को अपने कमरे के पर्दे खोल दें, ताकि सुबह सूरज की रोशनी अंदर आ सके. इससे आपकी नींद अपने आप खुल जाएगी. अलार्म की आदत छोड़कर प्राकृतिक रूप से जागने में थोड़ा समय लग सकता है. खुद पर धैर्य रखें और इस बदलाव को धीरे-धीरे अपनाएं.

आज का राशिफल

मेष : स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ होगा।

वृषभ : आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा।

मिथुन : जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। प्रमाद से बचें।

कर्क : बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद न करें। बेचैनी रहेगी।

सिंह : धन का नुकसान या कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। प्रमाद न करें।

कन्या : मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। समय अनुकूल है। प्रसन्नता रहेगी।

तुला : दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। जरूरी वस्तु गुम हो सकती है।

धनु : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें, नुकसान संभव है। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बेचैनी रहेगी।

मकर : विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दु:ख होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी का ध्यान खुद की तरफ खींच पाएंगे।

कुंभ : समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। समय अनुकूल है। लाभ लें। प्रमाद न करें।

मीन : राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

AC की ठंडक या कूलर की हवा

डॉक्टर ने बताया सेहत के लिए कौन ज्यादा सुरक्षित विकल्प

भीषण गर्मी का मौसम शुरू होते ही लोगों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि राहत के लिए एसी बेहतर रहेगा या कूलर. जहां एसी तेज और तुरंत ठंडक देकर आराम देता है, वहीं कूलर कम खर्च में प्राकृतिक ठंडक का अनुभव कराता है लेकिन यह चुनाव सिर्फ आराम या बिजली बिल तक सीमित नहीं है बल्कि इसका सीधा असर हमारी सेहत पर भी पड़ता है. ऐसे में यह समझना बेहद जरूरी हो जाता है कि कौन सा विकल्प शरीर के लिए ज्यादा सुरक्षित है और किन सावधानियों के साथ इसका इस्तेमाल करना चाहिए. सतना जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉ अखिलेश खरे ने बताया कि जो लोग लगातार एसी वाले माहौल में रहते हैं, जैसे- ऑफिस, घर या क्लासरूम, उनकी बॉडी उस तापमान के अनुसार खुद को ढाल लेती है लेकिन जो लोग बाहर की गर्मी से सीधे एसी में जाते हैं, या बार-बार अंदर-बाहर आते-जाते हैं, तो उनके शरीर का तापमान संतुलन बिगड़ जाता है.

एसी बंद कमरे में तेजी से ठंडक देता है और अत्यधिक गर्मी वाले शहरी इलाकों में यह काफी प्रभावी साबित होता है. हालांकि लंबे समय तक एसी में रहने से त्वचा सूखना, सिरदर्द और गले में खराश जैसी समस्याएं हो सकती हैं. वहीं कूलर हवा में नमी बनाए रखता है और प्राकृतिक ठंडक देता है, जिससे शरीर को अचानक झटका नहीं लगता. बिजली खपत के मामले में भी कूलर एसी के मुकाबले कई गुना सस्ता पड़ता है, जिससे यह आम लोगों के लिए ज्यादा किफायती विकल्प बन जाता है.

गलत आदतें बना सकती हैं बीमार

विशेषज्ञों के अनुसार, गर्मी में बहुत ठंडा पानी पीना, एसी में रहने के बाद तुरंत बाहर निकलना या बार-बार तापमान बदलना शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है. इससे सर्दी-जुकाम, बुखार और एलर्जी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं, इसलिए जरूरी है कि एक समान तापमान बनाए रखा जाए और शरीर को धीरे-धीरे वातावरण के अनुसार ढलने दिया जाए.

पर्यावरण और सेहत के लिहाज से क्या है बेहतर विकल्प?

डॉक्टरों का मानना है कि अगर दोनों में किसी एक को चुनना हो, तो कूलर ज्यादा पर्यावरण अनुकूल विकल्प है. एसी के इस्तेमाल से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बढ़ता है, जो पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हैं. वहीं कूलर कम ऊर्जा में काम करता है और प्रकृति के अधिक करीब माना जाता है. ऐसे में जरूरत, बजट और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सही विकल्प चुनना ही समझदारी है ताकि गर्मी से राहत भी मिले और सेहत भी सुरक्षित रहे.

नेचुरल ड्रिंक - नारियल पानी

गर्मी के दिनों में शरीर से पसीने के जरिए पानी और जरूरी मिनरल्स लगातार बाहर निकलते रहते हैं, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है. ऐसे में नारियल पानी एक नेचुरल ड्रिंक के रूप में काम करता है, जो शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है और अंदर से ठंडक बनाए रखता है. यह हर उम्र के लोगों के लिए सुरक्षित और फायदेमंद विकल्प माना जाता है.

शरीर को रखे हाइड्रेट और ठंडा

नारियल पानी को गर्मियों में सबसे असरदार हाइड्रेटिंग ड्रिंक माना जाता है. इसमें प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को तेजी से पूरा करते हैं. ज्यादा पसीना आने पर होने वाली थकान, चक्कर या कमजोरी जैसी समस्याओं से बचाने में यह काफी मददगार साबित होता है. यह शरीर के तापमान को संतुलित रखने में भी सहायक होता है, जिससे लू लगने का खतरा कम हो जाता है. इसलिए गर्मी के दिनों में इसे रोजाना पीना एक अच्छी आदत हो सकती है.

दिल और ब्लड प्रेशर के लिए फायदेमंद

नारियल पानी में पोटैशियम की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो दिल की सेहत के लिए जरूरी होता है. यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है और शरीर में मिनरल्स का संतुलन बनाए रखता है. गर्मी में जब शरीर जल्दी थक जाता है, तब नारियल पानी पीने से तुरंत एनर्जी मिलती है और शरीर में ताजगी महसूस होती है. खासकर बाहर काम करने या एक्सरसाइज के बाद इसका सेवन काफी फायदेमंद माना

जाता है.

पाचन और त्वचा के लिए लाभकारी

नारियल पानी पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में भी मदद करता है. इसमें मौजूद एंजाइम्स खाने को आसानी से पचाने में सहायक होते हैं, जिससे गैस, अपच और कब्ज जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं. इसके साथ ही यह त्वचा के लिए भी बेहद लाभकारी है. नियमित सेवन से त्वचा हाइड्रेटेड रहती है, दाने-फुंसियों की समस्या कम होती है और गर्मी के कारण होने वाले स्किन इन्फेक्शन से भी बचाव होता है. इस तरह नारियल पानी गर्मियों में सेहत और सुंदरता दोनों के लिए एक बेहतरीन प्राकृतिक

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

चोरी के मोबाइल का प्राइवेट डेटा बेच रहे क्रिमिनल, 8 गिरफ्तार; 11605 फोन बरामद

मिर्जापुर. उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में मोबाइल चोरी गैंग के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। लालगंज पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने जामताड़ा से जुड़े अंतरराज्यीय साइबर फ्राड गैंग के आठ सदस्यों के पास से धर दबोचा। उनके पास से डीसीएम में लदे चोरी के 11605 मोबाइल, आठ बाइक बरामद हुई हैं। पकड़े गए आरोपी बिहार के अलग-अलग गांव के रहने वाले हैं। गैंग फोन से प्राइवेट डेटा रिकवर कर मार्केट में बेचता था। वे चोरी की मोबाइल एकत्रित कर बिहार में मुख्य सरगना को बेचते हैं। सरगना इन मोबाइल से साइबर ठगी की घटना को अंजाम देता हैं। मंगलवार को एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने पुलिस लाइन में मामले का खुलासा किया। उन्होने बताया कि सीओ लालगंज अमर बहादुर के नेतृत्व में टीम सोमवार को गश्त पर निकली थी। तभी मुखबिर से मिली सूचना पर टीम ने लालगंज के तेंदुई टोल प्लाजा के पास से डीसीएम ट्रक में सवार आठ संदिग्ध को धर दबोचा। ट्रक की तलाशी लेने पर चोरी के 11605 मोबाइल, आठ बाइक बरामद हुए। जिसकी कुल कीमत लगभग एक करोड़ रुपये है। आरोपियों के पास से 48800 रुपये भी मिले हैं।

नाराज पति ने ससुराल में जहर खाकर जान दी, पास से मिली बिना दस्तखत वाली चिट्ठी

प्रयागराज. यूपी के प्रयागराज से प्रतापगढ़ स्थित अपनी ससुराल में आए एक युवक ने जहर खाकर जान दे दी। मेडिकल कॉलेज पहुंचे परिजन और रिश्तेदार मौत के लिए पत्नी को जिम्मेदार बताते रहे। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है। घटना प्रतापगढ़ के बाघराय के अंधराय की सराय कोर्रही में हुई। ससुराल में जहर खाकर जान देने वाले सुधाकर तिवारी के पास एसओ बाघराय को संबोधित एक कम्प्यूटर टाइप पत्र मिला। हालांकि उस पर हस्ताक्षर नहीं था। पत्र में लिखा गया था कि वह अपनी पत्नी से हार गया है। इतना परेशान हो चुका है कि आत्महत्या करने को मजबूर है। देश में आदमी के बचाव के लिए कोई कानून नहीं है।

आधी रात को भरभराकर गिर गई दीवार, एक ही परिवार के 3 लोगों की दर्दनाक मौत

मैनपुरी. उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में मंगलवार की आधी रात के करीब अचानक एक मकान की कच्ची दीवार भरभराकर गिर गई। इसके मलबे के नीचे एक ही परिवार के छह लोग दबकर घायल हो गए। इनमें से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर मची चीख-पुकार सुन आसपास के लोग जुट गए। एक साथ तीन-तीन मौतों और तीन लोगों के गंभीर रूप से घायल होने के चलते परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। प्रशासन ने अस्पताल में घायलों के समुचित इलाज का भरोसा दिया है।

घटना, मैनपुरी जिले के कोतवाली क्षेत्र के आठपुरा गांव की है। मंगलवार की रात करीब 12 बजे अचानक से दीवार गिरी। किसी को पहले से इसका कोई अंदाजा नहीं था। इस दीवार पर टीन शेड रखा हुआ था। दीवार टीन शेड के साथ गिरी। उस वक्त इस शेड के नीचे परिवार के लोग सोए हुए थे। अचानक दीवार और टीन शेड गिरने से उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। छह लोग मलबे के नीचे दब गए। तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं तीन घायलों का भी बुरा हाल है। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया।

ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से झटका

- ED रेड के दौरान आपने जो किया, वह गलत था

नई दिल्ली. पश्चिम बंगाल में पिछले दिनों आई-पैक के दफ्तर पर हुई ईडी की छापेमारी के मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को ममता सरकार को कड़ी फटकार लगाई। राज्य सरकार ने ईडी की याचिका पर सुनवाई टालने की अपील की थी, जिसके बाद कोर्ट ने दो टूक जवाब दिया कि आप हुक्म नहीं चला सकते हैं। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा, जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच इस मामले में सुनवाई कर रही थी। इसके अलावा, ईडी रेड के दौरान ममता बनर्जी के अचानक बीच में आने पर भी सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आपने जो किया, वह गलत था। कोर्ट ने कहा, "जो हुआ, वह कोई अच्छी स्थिति नहीं थी। यह असामान्य है।"

लाइव लॉ के अनुसार, सुनवाई की शुरुआत में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने सुनवाई टालने के लिए कहा। उन्होंने ईडी द्वारा दाखिल किए गए जवाबी हलफनामे पर जवाब दायर करने के लिए समय मांगा। इस पर ईडी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह सुनवाई में देरी करने की चाल है। हलफनामा तो चार हफ्ते पहले ही दायर कर दिया गया था और जवाब दाखिल करने के लिए उनके पास लंबा समय था।

दीवान ने कहा कि अगर कोर्ट ईडी के जवाब को नजरअंदाज करते हुए आगे बढ़ रही है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन अगर इस पर विचार किया जाना है तो... इस पर जस्टिस मिश्रा ने तुरंत जवाब दिया, "हम किसी भी चीज को नजरअंदाज क्यों करें। आप हम पर हुक्म नहीं चला सकते हैं। हम हर चीज पर विचार करेंगे।" उन्होंने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य सरकार की स्थिति काफी कमजोर है, क्योंकि हमें ईडी के आरोपों का जवाब देने के लिए बिना किसी लिखित जवाब के ही बहस करनी पड़ रही है। यह एक संवेदनशील मामला है, जिसमें एक विस्तृत जवाब की जरूरत है।

बंगाल सरकार ने बुधवार को I-PAC पर हुई छापेमारी के मामले में सुप्रीम कोर्ट में पांच जजों की संविधान पीठ को मामला भेजने की मांग की। सरकार ने दलील दी कि यह मामला संवैधानिक व्याख्या से जुड़े अहम सवाल उठाता है, खासकर केंद्र-राज्य संबंधों और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ED) की याचिका की स्वीकार्यता को लेकर। राज्य की ओर से पेश वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ के सामने कहा कि मौजूदा कार्यवाही पर दो जजों की पीठ फैसला नहीं दे सकती, क्योंकि इसमें संवैधानिक व्यवस्था से जुड़े बुनियादी सवाल शामिल हैं।

क्या था मामला...

दरअसल, इस साल की शुरुआत में ईडी ने तृणमूल कांग्रेस के लिए चुनाव की रणनीति बनाने वाली आईपैक एजेंसी और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के घर और दफ्तर पर छापेमारी की थी। इस दौरान, ममता बनर्जी मौके पर पहुंची थीं, जिसके बाद उनका जांच एजेंसी के अधिकारियों से आमना-सामना भी हुआ था। ममता ने आरोप लगाया था कि ईडी टीएमसी के संवेदनशील डेटा और हार्ड डिस्क ले जा रही थी। ईडी ने हवाला कारोबार और कोयला तस्करी से जुड़े एक मामले में आईपैक व उसके प्रमुख पर रेड डाला था।

राजस्थान में तेल से भरा टैंकर पलटा, आग लगी

जालोर. राजस्थान के जालोर जिले में जैसलमेर-जामनगर नेशनल हाईवे (NH-68) पर तेल टैंकर पलट गया और उसमें आग लग गई। इसके बाद सड़क पर 200 मीटर तक लपटें फैल गई।

टैंकर का ड्राइवर जिंदा जल गया, जबकि हेल्पर समय रहते कूद गया। हादसा बुधवार दोपहर करीब 2 बजे हुआ। फायर ब्रिगेड ने 1 घंटे बाद आग पर काबू पा लिया।

टैंकर बाड़मेर से गुजरात की तरफ जा रहा था। इस दौरान सिंवाड़ा ओवरब्रिज पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। सांचौर एसडीएम प्रमोद कुमार और सिंवाड़ा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। चितलवाना थाने के ASI मोहनलाल ने बताया- गुजरात नंबर (GJ-12-BZ-9820) का टैंकर बाड़मेर से गुजरात की ओर जा रहा था। हादसे में बाड़मेर के गुड़ामालानी के मोखावा निवासी ड्राइवर सुखराम पुत्र देदाराम मेघवाल की मौत हो गई.

अपनों की बगावत से फिर पस्त कांग्रेस!

- 11 विधायकों ने दिया धोखा
- क्यों नहीं रुक रही क्रॉस-वोटिंग?

नई दिल्ली. राज्यसभा चुनावों में कांग्रेस के 11 विधायकों ने पार्टी के निर्देशों की अवहेलना की है। इस घटना ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया है कि जब कांग्रेस विपक्ष में होती है, तो केंद्र और राज्य दोनों स्तरों के चुनाव उसकी सबसे बड़ी कमजोरी साबित होते हैं।

कहां-कहां हुई बगावत?

हरियाणा: कांग्रेस के 5 विधायकों ने पार्टी के खिलाफ जाकर वोट किया। इसके अलावा यहां 4 वोट अमान्य घोषित किए गए, जिसे कांग्रेस ने साजिश करार देते हुए आरोप लगाया है कि रिटर्निंग ऑफिसर ने भाजपा के एजेंट की तरह काम किया।

ओडिशा: यहां 3 विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर मतदान किया। जिससे कांग्रेस-बीजेडी समर्थक उम्मीदवार की हार हुई।

बिहार: यहां कांग्रेस के 3 विधायकों ने मतदान प्रक्रिया में हिस्सा ही नहीं लिया (वोटिंग से परहेज किया)।

जिन राज्यों में कांग्रेस विपक्ष में है, वहां राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों में बार-बार होने वाली यह बगावत या क्रॉस-वोटिंग मुख्य रूप से दो कारणों का नतीजा है: भाजपा के नेतृत्व वाले सत्ताधारी दलों का प्रभाव या फिर पार्टी के भीतर की गुटबाजी।

निराशा और गुटबाजी का असर

हालांकि, पिछले दो चुनाव हारने के बाद कांग्रेस इस बार हरियाणा में राज्यसभा चुनाव जीतने में कामयाब रही, लेकिन बिहार और ओडिशा में अपने सहयोगियों को फायदा पहुंचाने की उसकी कोशिशें बुरी तरह नाकाम रहीं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राज्यों की सत्ता से भाजपा को बेदखल करने में कांग्रेस की विफलता इसका एक बड़ा कारण है। सत्ता में वापसी न कर पाने की वजह से पार्टी के चुने हुए विधायकों में काफी निराशा है, जिससे वे सत्ताधारी दल के लिए आसान शिकार बन जाते हैं। ओडिशा और बिहार में विधायकों की बगावत को इसी का परिणाम माना जा रहा है।

दूसरी ओर, हरियाणा में गुटबाजी ने बड़ी भूमिका निभाई है। इसका उदाहरण अतीत में भी देखने को मिला है, जब क्रॉस-वोटिंग करने वाले किरण चौधरी और कुलदीप बिश्नोई जैसे कांग्रेसी विधायक बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे।

टपोरी की तरह आते हैं, अपनी बहन से सीखें

राहुल गांधी पर कंगना रनौत का बड़ा हमला

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी (BJP) की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने कांग्रेस सांसद व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर उनके व्यवहार और आचरण को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी को टपोरी तक कह दिया। साथ ही अपनी बहन (प्रियंका गांधी) से सीखने की सलाह दी। दरअसल पूर्व नौकरशाहों और सैनिकों द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ लिखे गए एक खुले पत्र के संदर्भ में कंगना रनौत ने उनके व्यवहार की कड़ी आलोचना की और उसे संसद के गरिमामय माहौल के विपरीत बताया।

'टपोरी' जैसा व्यवहार

कंगना ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का व्यवहार संसद में एक 'टपोरी' जैसा होता है। उन्होंने कहा कि वह अक्सर लोगों को 'ऐ, तू' कहकर 'तू-तड़ाक' की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, जो उनके पद की गरिमा के अनुकूल नहीं है। बीजेपी सांसद ने दावा किया कि राहुल गांधी के इस तरह के आचरण को देखकर महिलाओं को बहुत असहजता महसूस होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कोई इंटरव्यू दे रहा होता है, तो वह पीछे से हूटिंग करते हैं या 'आजा-आजा मेरे साथ' जैसी टिप्पणियां करते हैं।

बहन प्रियंका गांधी से सीखने की नसीहत

राहुल गांधी पर निशाना साधने के साथ ही कंगना ने उनकी बहन (प्रियंका गांधी) के आचरण की जमकर तारीफ की। कंगना ने कहा कि राहुल गांधी को अपनी बहन से सीखना चाहिए। उन्होंने कहा, 'उनका (प्रियंका गांधी का) आचरण और व्यवहार कितना अच्छा है, उनके एटीकेट्स (शिष्टाचार) बहुत अच्छे हैं।' बयान के अंत में कंगना ने राहुल गांधी पर सीधा व्यक्तिगत हमला करते हुए कहा कि 'राहुल गांधी खुद में ही एक शर्मिंदगी हैं।'

रामदास आठवले जी तो सदाबहार हैं

विदाई में PM मोदी के भाषण पर राज्यसभा में गूंजने लगे ठहाके

नई दिल्ली. राज्यसभा से रिटायर होने वाले 37 सांसदों की विदाई को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि राज्यसभा में यह पल भावुकता का रहता है। उन्होंने कहा कि हर दो साल में ऐसा अवसर आता है, जब हमारे लिए भावुक क्षण होते हैं। सदन में अनेक विषयों पर चर्चाएं होती हैं। कुछ खट्टे मीठे अनुभव भी होते हैं। ऐसा अवसर जब आता है तो स्वाभाविक रूप से दलगत भावना से ऊपर उठकर हमारे भीतर एक समान भाव उत्पन्न होता है। यहां से जो सदस्य विदाई ले रहे हैं, उनमें से कुछ फिर से आएंगे। वहीं कुछ लोग यहां से अनुभव लेकर सामाजिक जीवन में काम करने के लिए जा रहे हैं। मैं यही कहूंगा कि राजनीति में कोई फुल स्टॉप नहीं होता भविष्य आपका इंतजार कर रहा है।

इसके आगे उन्होंने कहा कि आपका योगदान देश को हमेशा मिलता रहेगा। जाने वाले सभी माननीय सांसदों का बहुत ही उत्तम योगदान रहा है। खरगे जी, शरद पवार जी और देवेगौड़ा जी जैसे लोग ऐसे नेता हैं, जिनकी आधी से ज्यादा जिंदगी संसदीय जीवन में ही गुजरी है। ऐसे नेताओं से सभी सांसदों को सीखना चाहिए कि इतने समर्पित भाव से सदन में आना और योगदान देना अहम है। इस दौरान उन्होंने राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और आरपीआई के नेता रामदास आठवले की भी तारीफ की।

खासतौर पर आठवले पर जब पीएम मोदी ने बात की तो राज्यसभा में ठहाके गूंजने लगे। आठवले की व्यंग्यात्मक शैली की पीएम मोदी ने तारीफ की। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी हम सुनते थे कि सदन में बहुत हास्य विनोद का अवसर होता है। लेकिन अब ऐसा कम हो रहा है। फिर भी हमारे आठवले जी ऐसे हैं कि सदाबहार नेता हैं। वह जा रहे हैं, लेकिन उनकी कमी महसूस नहीं होगी। वह फिर से व्यंग्य बिखेरते रहेंगे।' उन्होंने कह कि यह ऐसी व्यवस्था है कि जो नया समूह आता है, उन्हें पहले से बैठे सांसदों से सीखने को मिलता है। इस प्रकार राज्यसभा की विरासत निरंतर चलती रहती है। मुझे पूरा विश्वास है कि जिनको इस बार जाना नहीं है, वे भी नए सांसदों को अपने अनुभव देंगे। उनकी जानकारी सदन को समृद्ध करेगी।

EV चार्जिंग के दौरान घर जला, 8 मौतें

- 4 घायल; डिजिटल लॉक नहीं खुले,
- लोग अंदर फंसे रह गए
- पीएम-सीएम ने जताया दुख

इंदौर. इंदौर में इलेक्ट्रिक कार टाटा पंच में चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई, जिसने तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रबर कारोबारी मनोज पुगलिया, उनकी गर्भवती बहू सिमरन सहित 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हैं।

मारे गए लोगों में से 6 मनोज के रिश्तेदार थे, जो मंगलवार को बिहार के किशनगंज से आए थे। घटना बुधवार तड़के 3.30 से 4 बजे के बीच बंगाली चौराहे के पास ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी की है।

पुलिस के अनुसार, कार से घर तक फैली आग ने अंदर रखे गैस सिलेंडरों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे एक के बाद एक सिलेंडर फटने लगे। धमाका इतना तेज था कि मकान का एक हिस्सा ढह गया। घर में लगे डिजिटल लॉक खुल नहीं पाए, इसके कारण अंदर सो रहे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

रहवासियों ने बताया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सूचना देने के करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचीं।

बस किराया बढ़ा तो बुजुर्ग को पार्सल करने की कोशिश

- बेंगलुरु में कूरियर खुला तो जिंदा निकला
- पकड़े जाने पर कहा- विरोध जता रहे थे

बेंगलुरु. कर्नाटक के बेंगलुरु में एक परिवार ने बुजुर्ग को बोरे में बांधकर कूरियर से पार्सल करने की कोशिश की। परिवार ने यह कदम बस किराया बढ़ने के विरोध में उठाया। घटना मंगलवार शाम की है, जिसका वीडियो बुधवार को सामने आया।

कूरियर सेंटर के कर्मचारियों को बोरे में हलचल दिखी तो उन्होंने उसे खोलकर देखा। अंदर से एक बुजुर्ग व्यक्ति निकला। इसके बाद कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस के मुताबिक परिवार एक निजी कूरियर सेंटर पहुंचा और कहा कि वे बुजुर्ग को पार्सल करना चाहते हैं। बोरी में बंद होने के कारण बुजुर्ग को सांस लेने में दिक्कत होने लगी, जिससे स्थिति गंभीर हो गई।

माफी के बाद चेतावनी देकर छोड़ा

पुलिस की पूछताछ में बुजुर्ग की बेटी ने बताया कि यह पूरा मामला सोशल मीडिया रील बनाने के लिए किया गया था। परिवार ने बुजुर्ग को एक बोरी में डालकर यह स्टंट किया। परिवार ने पुलिस और लोगों से माफी मांगी। हालांकि पुलिस ने इस मामले में कोई केस दर्ज नहीं किया। परिवार से वीडियो के जरिए माफी मंगवाकर सख्त चेतावनी देकर छोड़ दिया।

ICC टी-20 रैंकिंग- बुमराह बिना मैच खेले टॉप-5 में

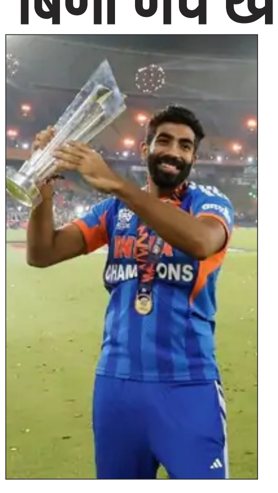

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी-20 बॉलर्स की रैंकिंग के टॉप-5 में वापसी कर ली है। वे बिना कोई मैच खेले टॉप-5 में पहुंच गए हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टी-20 वर्ल्डकप के बाद हुई साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की 2 मैच की सीरीज में अफ्रीकी टीम में कॉर्बिन बॉश को मौका नहीं मिला है। इससे उन्हें रैंकिंग में नुकसान हुआ और वह छठे स्थान पर आ गए।

ICC ने बुधवार को ताजा प्लेयर रैंकिंग जारी की। इसमें जसप्रीत 702 रेटिंग अंक के साथ पांचवें पहुंच गए। जसप्रीत टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

बैटर्स की रैंकिंग में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। भारत के अभिषेक शर्मा (875 रेटिंग पॉइंट्स) टॉप पर हैं। वह जुलाई 2025 से टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं।

बॉलर्स रैंकिंग में सैंटनर को फायदा

टी-20 इंटरनेशनल रैंकिंग में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर को फायदा मिला है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज के पहले 2 मुकाबलों में उन्होंने 3 विकेट लेने के साथ 35 रन भी बनाए, जिसकी बदौलत सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। वहीं, अभी तीन मैच बाकी हैं। इस प्रदर्शन के दम पर सैंटनर गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाकर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। पिछले हफ्ते वह 24वें नंबर पर थे।

टी-20 के ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी मिचेल सैंटनर करियर की बेस्ट रैंकिंग में पहुंच गए हैं। वे दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर आ गए हैं।

कॉन्वे ने बैटर्स रैंकिंग में 4 स्थान की छलांग लगाई

बल्लेबाजों की टी-20 रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। ईशान किशन भी पिछले हफ्ते की तरह दूसरे नंबर पर हैं। दोनों में सिर्फ 4 पॉइंट का अंतर है। न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए चार स्थान की छलांग लगाई। अब वह 70वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

चंडीगढ़ में प्रॉपर्टी डीलर पर 9 राउंड फायरिंग

चंडीगढ़. एक प्रॉपर्टी डीलर की दिनदहाड़े गोली मारकर चंडीगढ़ में हत्या कर दी गई। यह कांड सेक्टर 9 में बुधवार दोपहर को हुआ। इस घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। मृतक की पहचान प्रीत नागरा के रूप में हुई है, जो पेशे से प्रॉपर्टी डीलर थे। वह न्यू चंडीगढ़ के मुल्लानपुर इलाके के कुबाहेरी में रहते थे। उन्हें दोपहर में करीब 12 बजे गोली मारी गई। उन्हें तुरंत ही पास के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार यह घटना उस वक्त हुई, जब प्रीत नागरा बॉडी जोन नाम की जिम से बाहर निकल रहे थे। वह अपनी कार में बैठे ही थे कि उन पर बाइक सवार हमलावरों ने फायरिंग कर दी। पुलिस मौके पर पहुंची है और घटनास्थल की बैरेकेडिंग करके जांच की जा रही है।

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 मौतें

- इनमें 3 लड़कियां
- दमकल ने 10 लोगों का रेक्स्यू किया
- दो ने छलांग लगाकर जान बचाई

दिल्ली. दिल्ली के पालम स्थित साध नगर में एक रिहायशी 4 मंजिला बिल्डिंग में बुधवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 नाबालिग लड़कियां शामिल हैं। 2 लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। दिल्ली फायर सर्विस (DFS) के कर्मियों ने 10 लोगों का रेक्स्यू किया है। इनमें 3 लोग घायल हैं। करीब 30 फायर ब्रिगेड मौके पर मौजूद हैं। आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और तेजी से फैल गई। इमारत में उस समय 10-15 लोग मौजूद थे। इनमें कुछ शव बरामद किए जा चुके हैं।

रूसी तेल ले जा रहे टैंकर ने लिया यू-टर्न

- अब चीन नहीं भारत आएगा; क्यों बदला रास्ता?

दुनियाभर में ईंधन आपूर्ति को लेकर मचे हाहाकार के बीच रूसी तेल को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक एक रूसी तेल से भरा टैंकर, जो चीन की तरफ बढ़ रहा था, दक्षिण चीन सागर में अपना रास्ता बदलकर अब तेजी से भारत की ओर बढ़ रहा है। ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक 'एक्वा टाइटन' 21 मार्च को न्यू मैंगलोर तट पर पहुंचने वाला है। यह टैंकर अपने साथ 'यूराल' तेल का कार्गो ला रहा है, जिसे जनवरी के आखिर में

बाल्टिक सागर के एक बंदरगाह से लोड किया गया था। जानकारी के मुताबिक यह जहाज शुरुआत में चीन के रिझाओ पोर्ट की तरफ जा रहा था। लेकिन हाल ही में इसने अपनी मंजिल बदल ली। वहीं 'वॉर्टेक्सा लिमिटेड' के मुताबिक रूस से तेल ले जा रहे कम से कम सात टैंकर ने सफर के बीच में ही चीन की बजाय भारत की ओर मुड़ गए हैं। इसके अलावा ट्रैकिंग डेटा से यह भी पता चला है कि 'स्वेज़मैक्स जूज़ू एन.' जहाज ने भारत के सिक्का बंदरगाह को अपनी अगली मंजिल बताया है और यह 25 मार्च को यहां पहुंच सकता है। यह टैंकर कजाखस्तान का कच्चा तेल ले जा रहा है।

होर्मुज प्रभावी रूप से बंद

यह रिपोर्ट ऐसे समय में सामने आई है जब पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद सबसे अहम जलमार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज प्रभावी रूप से बंद हो गया है। अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद ईरान से इस रास्ते से जहाजों को ना गुजरने की धमकी दी है।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर
वैद्यकिय आरोग्य विभाग

स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव

दि. 18/03/2026

'जाहिर आवाहन'
'उष्णतेपासुन बचाव करण्यासाठी काय करावे, काय करु नये'

उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या वैद्यकीय आरोग्य विभागामार्फत उ.म.पा. कार्यक्षेत्रातील जनतेला सूचित करण्यात येते की, उष्णतेच्या लाटेमुळे होणारी जिवितहानी लक्षात घेता उष्णतेमुळे होणारी हानी टाळण्याकरीता तसेच सध्या वातावरणातील बदलांमुळे पृथ्वीचे तापमान वाढते आहे. या अनुषंगाने, उष्णतेपासून बचाव करण्यासाठी काय करावे आणि काय करू नये यासंदर्भात वैद्यकीय आरोग्य विभागामार्फत उ.म.पा. कार्यक्षेत्रातील जनतेला खालीलप्रमाणे सुचना देण्यात येत आहे.

हे करा.
- पुरेसे पाणी प्या, प्रवासात पाणी सोबत ठेवा.
- हलक्या वजनाचे, फिकट रंगाचे, सैलसर कपडे वापरा. उन्हात गॉगल, छत्री, पादत्राणे वापरा.
- उन्हात जाताना टोपी हॅटखाली ओलसर कपडा ठेवा.
- ओलसर पडदे, पंखा, कुलर यांच्या मदतीने घर थंड ठेवा.

हे करु नका.
- शक्यतो उन्हाच्या वेळेत घराबाहेर जाणे टाळा.
- कष्टाची कामे उन्हात करु नका.
- पार्क केलेल्या वाहनात लहान मुलांना ठेवू नका.
- गडद रंगाचे, तंग कपडे वापरु नका.
- उन्हाच्या काळात स्वयंपाक करणे टाळा, स्वयंपाकघर हवेशीर ठेवा
- मद्य, चहा, कॉफी, सॉफ्टड्रिंक्स टाळा.
- खुप प्रथिनेयुक्त अन्न आणि शिळे अन्न खाऊ नका.
- कडक उन्हातून घरी आल्यावर लगेच हात, पाय धुवू नका
- कडक उन्हातून घरी आल्यावर आंघोळ करण्याआधी किमान अर्धा तास थांबा. त्यानंतरच अंघोळ करा
- उन्हाळ्याच्या दिवसात थंड पाणी किंवा बर्फाचे पाणी पिणे टाळावे आणि साधे पाणी प्यावे

जा.क्र. उमपा/पीआरओ/599/2026,
दि. 18/03/2026

सही/-
(डॉ. मोहिनी धर्मा)
वैद्यकीय आरोग्य अधिकारी
उल्हासनगर महानगरपालिका

संक्षेप...

बदलापुर में पति ने की पत्नी की हत्या

बदलापुर. बदलापुर में पारिवारिक झगड़े में एक पति ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। पति का नाम चंद्रकांत थोरात (47) है और उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। चंद्रकांत थोरात अपनी पत्नी अश्विनी (38) और दो बच्चों के साथ बदलापुर पूर्व के शिरगांव इलाके में रहता था। पिछले कुछ दिनों से चंद्रकांत और अश्विनी के बीच मामूली बात पर झगड़ा हो रहा था।

मंगलवार सुबह भी उनमें बहस हुई और गुस्से में आए चंद्रकांत ने बेल्ट से अश्विनी का गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस इंस्पेक्टर राजेश गज्जल ने बताया कि इस संबंध में बदलापुर पूर्व पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इस बीच, उन्होंने यह भी बताया कि चंद्रकांत थोरात को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

4 थर्मल पावर स्टेशनों को ड्रोन हमले की मिली धमकी, हाईअलर्ट पर पुलिस

नागपुर. महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में स्थित चार बड़े थर्मल पावर स्टेशनों को ड्रोन से हमले की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। पुलिस ने सभी प्रभावित पावर प्लांट्स पर सुरक्षा कड़ी कर दी है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के मुताबिक यह धमकी एक ईमेल के जरिए मिली है, जिसमें इन पावर स्टेशनों को निशाना बनाने की बात कही गई है। हालांकि अब तक किसी संदिग्ध गतिविधि की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल सुरक्षा के लिहाज से सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं और हर स्तर पर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस संदीप पाखले ने बताया कि धमकी एक सामान्य ईमेल आईडी से भेजी गई है और भेजने वाले की पहचान की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि ईमेल में हमले का समय नहीं बताया गया है, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी जगह सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है। पुलिस के अनुसार जांच अभी जारी है, इसलिए इस मामले में ज्यादा जानकारी फिलहाल साझा नहीं की जा सकती।

सूत्रों के मुताबिक ईमेल में खापरखेड़ा, कोराडी, चंद्रपुर और परस थर्मल पावर स्टेशनों को निशाना बनाने की बात कही गई है। धमकी में यह भी कहा गया कि ड्रोन के जरिए साइनाइड या घातक गैस वाले बम का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस जानकारी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सभी पावर स्टेशनों पर निगरानी बढ़ा दी है।

■ तलाशी अभियान में क्या मिला?

ईमेल मिलने के तुरंत बाद खापरखेड़ा और कोराडी पावर स्टेशनों और आसपास के इलाकों में करीब पांच घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस अभियान में बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और क्विक रिस्पॉन्स टीम को शामिल किया गया। हालांकि इतनी बड़ी तलाशी के बावजूद कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या गतिविधि नहीं मिली।

शुरुआती जांच में पता चला है कि यह ईमेल तमिलनाडु से भेजा गया हो सकता है, लेकिन साइबर पुलिस यह भी जांच कर रही है कि कहीं आईपी एड्रेस छिपाने के लिए फर्जी तरीका तो नहीं अपनाया गया। धमकी के बाद चारों पावर स्टेशनों के आसपास ड्रोन उड़ाने पर सख्त पाबंदी लगा दी गई है।

कोराडी पावर स्टेशन के वरिष्ठ सुरक्षा प्रबंधक देवेंद्र राठौड़ ने बताया कि पूरे परिसर में हाई अलर्ट घोषित किया गया है और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

गुढ़ी पाड़वा पर्व पर पत्रकारों का घर का सपना पूरा हुआ

ठाणे. गुढ़ी पाड़वा के पावन अवसर पर ठाणे के पत्रकारों को एक बहुत ही खुशी और ऐतिहासिक पल देखने को मिला। लगातार फॉलो-अप के बाद, पत्रकारों को MHADA से उनके हक के घर मिले। इसका श्रेय और इस पहल का मुख्य क्रेडिट ठाणे जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष संजय पितले को दिया गया। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने उनके काम की तारीफ़ की और भरोसा दिलाया कि ठाणे सिटी प्लानिंग कमेटी में उनके हिस्सा लेने पर विचार किया जाएगा।

कोलशेत में संजीव आशर बिल्डिंग में 53 घरों के लिए लॉटरी में 42 एप्लीकेंट एलिजिबल थे। इनमें से, डिप्टी चीफ मिनिस्टर और हाउसिंग मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने निर्देश दिया था कि जिन पत्रकारों ने पूरी रकम चुका दी है, उन्हें गुड़ी पड़वा के मौके पर घर दिए जाएंगे। इसके मुताबिक, संजय पितले ने लगातार फॉलो-अप के बाद MHADA से पज़ेशन पेपर हासिल किए।

मनपा के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में हुए एक प्रोग्राम में पत्रकारों और उनके परिवारों को MHADA के घरों की चाभी और पेपर दिया गया। डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल, डिप्टी डायरेक्टर मनोज सानप, ठाणे डिस्ट्रिक्ट जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के पदाधिकारी तुषार राजे, नारायण शेट्टी, श्रीकांत खाड़े, ठाणे सिटी दैनिक जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के आनंद कांबले, दिलीप शिंदे, सीनियर एडिटर दीपक दलवी मौजूद थे। इस पहल की वजह से ठाणे में पत्रकारों के लिए घर का सपना सच हुआ है और इस बात पर ज़ोर दिया गया कि जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन की एकजुट और लगातार कोशिशें सफल रही हैं।

मुंब्रा में डम्परों पर कड़क कार्रवाई

1 से 16 मार्च के बीच 118 वाहनों पर कार्रवाई 1.66 लाख जुर्माना वसूला

ठाणे। मुंब्रा ट्रैफिक विभाग ने भारी वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए 1 मार्च से 16 मार्च के बीच 118 डम्परों पर कड़क कार्रवाई की है। इस दौरान कुल 1,66,500 का जुर्माना वसूला गया।

सीनियर पी.आई. अतुल अहेर के अनुसार, शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और हादसों को रोकने के लिए डम्परों के संचालन का समय रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक तय किया गया है।

मुंब्रा में बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या को देखते हुए दिन के समय भारी वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण जरूरी माना गया है। खासतौर पर स्कूल और कॉलेज के छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है।ट्रैफिक विभाग ने सभी डम्पर चालकों को नियमों का पालन करने की चेतावनी दी है अन्यथा आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

कृषि उत्पन्न बाजार समिति के कर्मचारियों की हड़ताल

उल्हासनगर. उल्हासनगर कृषि उत्पन्न बाजार समिति के कर्मचारी इस बात से नाराज़ हैं कि छठ सैलरी में महंगाई भत्ता बढ़ाने का लिखित आश्वासन लागू नहीं किया गया है। दिए गए आश्वासन के पूरा न होने के विरोध में, कमेटी के 14 कर्मचारियों ने सोमवार, 16 मार्च, 2026 से हेड ऑफिस के सामने हड़ताल और भूख हड़ताल शुरू कर दी है। ऐसा कहा जा रहा है कि इस आंदोलन से मार्केट कमेटी के कामकाज पर असर पड़ सकता है।

कर्मचारियों ने इससे पहले 21 अगस्त, 2025 को भूख हड़ताल की थी, जिसमें मांग की गई थी कि सातवीं सैलरी की मंज़ूरी के बावजूद कमेटी के कर्मचारियों को छठी सैलरी के हिसाब से पूरे फ़ायदे दिए जाएं। उस समय कमेटी के चेयरमैन, बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स और इंचार्ज सेक्रेटरी की मध्यस्थता से 22 अगस्त, 2025 को लिखित आश्वासन दिया गया था। इस लेटर के मुताबिक, अगस्त 2025 की सैलरी में 20 परसेंट महंगाई भत्ता बढ़ाने का वादा किया गया था। साथ ही, नवंबर 2025 में भी 20 परसेंट महंगाई भत्ता बढ़ाने का वादा किया गया था।

14 कर्मचारियों का विरोध

कर्मचारियों के मुताबिक, मांगें मानते समय लेटर में ऐसी कोई शर्त नहीं बताई गई थी। इसी वजह से दत्ता भोईर, नंदू भोइते, आकाश राउत, विनोद पाटिल, मोरेश्वर डाबरे, संतोष वैले, प्रभाकर विश, कमलाकर शेलार समेत कुल 14 कर्मचारियों ने सोमवार से काम बंद करना शुरू कर दिया है।

विरोध के दौरान, मार्केट कमेटी के दायरे में आने वाले अनाज और दालों की आवक रिकॉर्ड नहीं होने से कमेटी को आर्थिक नुकसान होने की संभावना है। विरोध कर रहे कर्मचारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि इस नुकसान के लिए कर्मचारी जिम्मेदार नहीं हैं, बल्कि कमेटी के चेयरमैन, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और इंचार्ज सेक्रेटरी जिम्मेदार होंगे।

शिवसेना की ओर से शिर खुरमा वस्तु का वितरण

अंबरनाथ. अंबरनाथ शिवसेना की ओर से हर वर्ष रमजान ईद के शुभ अवसर पर वालेकर परिवार की ओर से मुसलमानों में ईद के दिन पकाये जाने वाले मीठे पकवान शीर खुरमा के लिए दूध, शक्कर, सेवय्या, काजू बादाम, पिस्ता, सूखा मेवा का वितरण किया जाता है. इस वर्ष भी बुधवार को नगरसेवक राजेंद्र वालेकर ने शहर पश्चिम में भास्कर नगर, दुबई गली, खुंटवली, बालाजी नगर एवं नया भेंडीपाड़ा में सैकड़ों मुस्लिमों में उपरोक्त वस्तुओं को बांटा. दोपहर में दुबई गली में छप्परबंद मुस्लिम समाजसेवक संस्था के अरबी मदरसा में सैकड़ों मुस्लिम महिलाओं को इन वस्तुओं का वितरण किया गया. मुस्लिम समाज एवं रजा जामा मस्जिद के आसिफ पठान, जमील अहमद, पत्रकार कमर काजी, यूसुफ शेख, नगरसेवक आढाव, उस्मान शाह, नवाज वणू के हाथों वस्तुओं का वितरण किया गया. राजेंद्र वालेकर ने कहा कि गत 20 वर्षों से वह यहां पर आकर मुस्लिमों में शीर खुरमा सामान का वितरण करते हैं. इसके साथ ही हर वर्ष दिवाली में हजारों लोगों में शहर पूर्व और पश्चिम में अनाज का वितरण शिवसेना की ओर से किया जाता है. आसिफ पठान ने उन्हें इस नेक कार्य के लिए बधाई दी. छप्पर बंद समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित थे. मान्यवरों ने इस अवसर पर रमजान ईद की शुभेच्छा भी दी. छप्पर बंद समाज की ओर से मान्यवरों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया गया.

विरार पूर्व में इमारत का स्लैब गिरा बाल-बाल बचे सात परिवार

विरार. विरार पूर्व के सहकार नगर इलाके में मंगलवार शाम उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक चार मंजिला पुरानी इमारत के स्लैब का एक हिस्सा अचानक भरभरा कर गिर पड़ा। हादसा शाम करीब 5:15 बजे 'ओम अपार्टमेंट' में हुआ। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन इमारत की जर्जर हालत को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत 7 परिवारों को वहां से सुरक्षित बाहर निकाला है।

हादसे के बाद दहशत का माहौल बताया जा रहा है कि 'ओम अपार्टमेंट' काफी साल पुरानी है और बेहद जर्जर अवस्था में थी। स्लैब गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आस-पास के लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय नागरिकों ने तुरंत इसकी सूचना वसई-विरार महापालिका को दी। सूचना मिलते ही मनपा अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। चूंकि इमारत पहले से ही खाली कराई जा रही थी, इसलिए अधिकांश फ्लैट्स खाली थे।

शिवसेना (उबाठा) का पानी बिल बढ़ोतरी के विरोध में हस्ताक्षर अभियान

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका में सत्ता पर काबिज शिवसेना शिंदे गुट और भाजपा ने पहली ही महासभा में शहरवासियों पर पानी के बिलों में बढ़ोतरी का अतिरिक्त बोझ डाल दिया है। इस निर्णय के विरोध में आज शाम उल्हास नगर रेलवे स्टेशन के बाहर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष की ओर से स्वाक्षरी मोहिम चलाई गई।

इस मोहिम में शहर के हजारों नागरिकों ने बढ़े हुए पानी बिलों के विरोध में हस्ताक्षर कर शासन और प्रशासन के निर्णय का कड़ा निषेध किया। शिवसेना पदाधिकारियों ने कहा कि आम जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ के खिलाफ पार्टी सड़क पर उतरकर संघर्ष करेगी।

पार्टी के पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि सोमवार को पूर्व सांसद राजन विचारे, कल्याण जिला प्रमुख शरद पाटिल तथा शहर प्रमुख शिवाजी जावले के मार्गदर्शन में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष का प्रतिनिधिमंडल शहर के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों को लेकर आयुक्त मनीषा अहवाले से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपेगा।

आयोजित स्वाक्षरी मोहिम में शरद पाटिल (कल्याण जिला प्रमुख), राजेंद्र साहू (उप जिला प्रमुख), भीमसेन मोरे (उप जिला प्रमुख), शिवाजी जावले (शहर प्रमुख), कृष्णा पुजारी (विधानसभा संगठक), दिलीप मिश्रा, राजन वेलकर, राजू माने (उप शहर प्रमुख), राजेश कणसे (युवा सेना उप जिला अधिकारी), अंकुश भांडे (शहर अधिकारी), राज महाडीक (अंबरनाथ विधानसभा विभाग अधिकारी), नीरज खत्री (युवा सेना विभाग अधिकारी), रोहित पोलके (युवा सेना समन्वयक, अंबरनाथ विधानसभा), दाहिर राम टेके (युवा सेना शहर समन्वयक) सहित सैकड़ों शिवसैनिक सहभागी हुए।

धार्मिक स्थलों, स्कूलों के पास की पान टपरियों, तंबाकू विक्रेताओं पर नपा करेगी कार्रवाई

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद की हद में स्कूल, मंदिर परिसर में विद्यार्थियों तथा नागरिकों पर तंबाकूजन्य पदार्थ के दुष्परिणाम के बढ़ते धोखे को देखते हुए ऐसी वस्तुएं बेचने वालों पर कड़क कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है. नगराध्यक्ष तेजश्री करंजुले, मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ के निर्देशानुसार अंबरनाथ नगर परिषद हद में सभी स्कूल एवं धार्मिक स्थलों के 100 मीटर परिसर में पान पट्टी, बीड़ी, सिगरेट, तंबाखू पदार्थ बेचने वाले दुकानदारों पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है. इस संबंध में पहले दुकानदारों को नोटिस दिया जाएगा. नियमों का उल्लंघन दिखाई दिया तो संबंधित दुकानदारों पर दंडात्मक कार्रवाई करके परवाना रद्द किया जाएगा. ऐसी जानकारी अंबरनाथ नगर परिषद द्वारा पत्रकारों को दिए गए प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है. ये कार्रवाई अतिक्रमण विभाग, स्वास्थ्य विभाग व संबंधित प्रशासन संयुक्त पथक द्वारा की जाएगी. शहरवासियों से भी ये अपील की गई है कि वह नपा प्रशासन को ये जानकारी दें कि पान पट्टी एवं तंबाकू विक्रेताओं की दुकानें, स्कूल, धार्मिक स्थलों के 100 मीटर के अंदर है. विद्यार्थियों एवं नागरिकों के स्वास्थ्य सुरक्षित रखने एवं समाज में तंबाकू मुक्त वातावरण निर्माण करना इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य है. अंबरनाथ नगर परिषद शहरवासियों के सहकार्य से ये मुहिन प्रभाव से जारी रखेगी. ऐसा अंबरनाथ नगर परिषद की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है.

आम सूचना

हम श्री नानिक जेठानंद साजनानी व श्रीमती सीमा नानिक साजनानी सभी को सूचित कर रहे हैं कि फ्लैट नं. 11, 4था माला, पूनम अपार्टमेंट, प्लाट नं. 579, बैरक नं. 407 के पास, गोल मैदान, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 12बीआय015267800) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती पारिबाई सेऊमल गुलाबानी ने श्री ईश्वर जावरानी से सेल एग्रीमेंट 17.7.2003 को खरीदी। उन्होंने श्री सुनिल किशीनचंद लालवानी से 29.2.2000 को सेल एग्रीमेंट से खरीदी उन्होंने श्री राजू हेमनदास गुरबानी से 23.2.1997 से सेल एग्रीमेंट से खरीदी है उन्होंने श्रीमती कमला मिरचुमल कापुरानी छापरू से 9.2.1991 को सेल एग्रीमेंट से खरीदी से और उन्होंने वीपी बिल्डर्स भागीदार श्री विजय कोटूमल बुटानी व श्री परशोत्तम ठाकुरदास मुलरानी से सेल एग्रीमेंट 7.10.1985 को खरीदी है। श्रीमती पारिबाई सेऊमल गुलाबानी से सेल एग्रीमेंट दि. 20.5.2004 रजि.नं. 1164/2004 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री नानिक जेठानंद साजनानी
व श्रीमती सीमा नानिक साजनानी

विवादित गाने पर नोरा फतेही की सफाई

- ■ कहा- गलत ट्रांसलेशन बताकर शूट करवाया
- ■ बिना अप्रूवल हिंदी में बनाया
- ■ AI फोटोज यूज कीं, हिंदी गाना देखकर शॉक थी

नोरा फतेही पैन इंडिया फिल्म केडीः द डेविल के गाने सरके चुनर तेरी सरके की रिलीज से विवादों में हैं। अश्लील गाने पर विवाद बढ़ने के बाद अब एक्ट्रेस ने बयान जारी कर साफ कहा है कि उनसे कन्नड़ में गलत ट्रांसलेशन बताकर पूरा गाना शूट करवाया गया और फिर बिना अप्रूवल या परमिशन गाने को हिंदी में बना लिया। एक्ट्रेस ने मेकर्स पर भी कई संगीन आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि मेकर्स ने लिरिकल गाने को बिना इजाजत लिए उनकी AI इमेज के साथ रिलीज किया। एक्ट्रेस ने ये भी माना कि गाना वाकई अनुचित है, लेकिन इसकी जानकारी उन्हें सॉन्ग लॉन्च इवेंट में पहुंचकर मिलीं। हिंदी गाना देखकर एक्ट्रेस खुद शॉक में थीं।

विवाद पर नोरा फतेही ऑफिशियल सोशल मीडिया से एक वीडियो पोस्ट कर कहा- 'मैं इस गाने से जुड़ी कंट्रोवर्सी पर डिस्कस करना चाहती हूं। इस वक्त में अपने करीबी की मौत के सदमे में हूं। मैं नेटवर्क में नहीं थी, जिससे मुझे पता नहीं चला कि क्या चल रहा है। आज मैं नेटवर्क में आई तो मुझे इसकी जानकारी मिली। मैं कुछ चीजें साफ करना चाहती हूं।'

SST महाविद्यालय के डॉ. तुषार वाकसे का राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षक के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन

■ मुंबई विश्वविद्यालय को रजत पदक

उल्हासनगर. आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में आयोजित अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय 'बेस्ट फिजिक' (शारीरिक सौष्ठव) प्रतियोगिता में मुंबई विश्वविद्यालय की टीम ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की। इस टीम के प्रशिक्षक के रूप में एसएसटी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के प्रा. डॉ. तुषार वाकसे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. वाकसे के कुशल मार्गदर्शन में मुंबई विश्वविद्यालय के दो खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक प्राप्त किए। 60 किलोग्राम वर्ग में प्रसाद पोकला और 80 किलोग्राम वर्ग में जिग्नेश गवांदे ने यह सफलता हासिल की।

इसके अलावा, 70 किलोग्राम वर्ग में कौस्तुभ राणे, 90 किलोग्राम वर्ग में आयुष तांदळे तथा 90 किलोग्राम से अधिक वर्ग में जीवन सपकाळ ने टॉप टेन में स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता के लिए मुंबई विश्वविद्यालय की टीम के प्रशिक्षक के रूप में डॉ. तुषार वाकसे का चयन किया गया था। उनके मार्गदर्शन में टीम ने राष्ट्रीय स्तर पर यह सफलता प्राप्त की।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर मुंबई विश्वविद्यालय के खेल निदेशक डॉ. मनोज रेड्डी, एसएसटी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी, सभी प्राध्यापक, कर्मचारी और विद्यार्थियों ने डॉ. वाकसे को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

आम सूचना

मैं श्रीमती सुनंदाबाई रतीलाल पाटील सभी को सूचित कर रही हैं कि रुम, एमआयडीसी पानी टंकी के पास, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 03एओ018457800) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती लक्ष्मी अशोक आंबेडकर के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 17.3.2026 सी.नं. 893/2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुनंदाबाई रतीलाल पाटील

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099